अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों की सूची में जातियों की नई श्रेणियों का शामिल किया जाना

1345. **श्री अजीत जोगी** : क्या कल्याण मंत्री 5 मई, 1989 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1346 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की सूची में संशोधन करने का प्रस्ताव सरकार के पास किस चरण में लंबित पड़ा हुआ है ;

(ख) इस संबंध में अंतिम निर्णय कब तक ले लिये जाने की संभावना है; और

(ग) इन सूचियों में संशोधन करने के लिए सरकार द्वारा क्या मानदंड और मार्गदर्शी सिद्धांत निर्धारित किए गए हैं और उनका ब्यौरा क्या है ?

श्रम और कल्याण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) और (ख) अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों की सूचियों में व्यापक संशोधन करने के बारे में एक मंत्रिमंडल नोट तैयार किया गया था तथा पिछली सरकार के मंत्रिमंडल को उनके विचार के लिए प्रस्तुत किया गया था। मंत्रिमंडल की 26.12.1988 को हुई बैठक में, मामले को आस्थगित रखा गया, वर्तमान सरकार इस बारे में प्राप्त किए गए सभी प्रस्तावों, सिफारिशों, सुझावों आदि की नए सिरे से जांच कर रही है। फिर भी, अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों की विद्यमान सूचियों में कोई संशोधन संविधान के अनुच्छेद 341(2) तथा 342(2) को ध्यान में रखते हुए केवल संसद के अधिनियम के माध्यम से किया जाना है।

(ग) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों की सूचियों में समुदायों को शामिल करने के लिए निम्नलिखित मानदण्डों को अपनाया गया है:—

अनुसूचित जातियां

अस्पृश्यता की परम्परागत प्रथा के कारण उत्पन्न सामाजिक, शैक्षिक तथा आर्थिक अत्यन्त पिछड़ापन ;

अनुसूचित जनजातियां

प्राचीन विशेषताओं के लक्षण विशिष्ट सांस्कृतिक भौगोलिक एकाकीपन, सामान्य रूप से समुदाय के साथ सम्पर्क करने में संकोच तथा पिछड़ापन।

आधुनिक निष्कर्षण सुविधाओं की कमी के कारण खाद्य तेलों की हानि

1346. **श्री राम नरेश यादव** : क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि तिलहनों से तेल निकालने के लिए परिष्कृत और आधुनिक प्रौद्योगिकी के अभाव में इस समय प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में खाद्य तेल की बर्बादी हो रही है ;

(ख) क्या सरकार ने इस प्रकार से हो रही हानि का कोई मूल्यांकन किया है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(घ) क्या यह भी सच है कि वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् ने एक परिष्कृत मशीन का निर्माण करने के लिए एक डिजाइन तैयार किया है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उक्त मशीन के निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार द्वारा बनाई गई योजना क्या है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री नाथू राम मिर्धा) : (क) तेलों के उपलब्ध स्रोतों का संतोषजनक ढंग से उपयोग न कर पाने के लिए कई बातें जिम्मेदार हैं, जैसे उन्हें एकत्र कर में आने वाली कठि-